संथाल विद्रोह की 169वीं वर्षगाँठ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **संथाल विद्रोह** की 169वीं वर्षगाँठ मनाई गई। प्रधानमंत्री ने **संथाल जनजाति समुदाय** के बलिदान और वीरता को नमन किया।

मुख्य बिंदु:

- ब्रिटिश राज के **खिलाफ विद्रोह की सबसे प्रसिद्ध घटनाओं** में से एक संथाल विद्रोह वर्ष 1855 और 1857 में हुआ था
- यह **भारत का पहला बड़ा** किसान विद्रोह था, जो **वर्ष 1793 में स्थायी बंदोबस्त** के कार्यान्वयन से प्रेरित था
- इसका नेतृत्व चार भाइयों सिद्धो, कान्हो, चाँद और भैरव मुर्मू ने बहनों फूलो एवं झानो के साथ मिलकर किया था तथा **यह बिहार के क्षेत्रों में फैला था।**

संथाल जनजाति

- संथाल **भारत में** गोंड **और** भील **के बाद तीसरा सबसे बड़ा अनुसूचित जनजाति समुदाय है।**
- उनकी सबसे बड़ी संख्या देश के पूर्वी भाग में **बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा** राज्यों में है।
- **भाषा:**
  - उनकी **भाषा संथाली है,** जो मुंडा (ऑस्ट्रोएशियाटिक) भाषा खेरवारी की एक बोली है।
  - ओल चिकी लिपि (Ol Chiki Script) में लिखी जाने वाली संथाली को संविधान की आठवीं अनुसूची में अनुसूचित भाषाओं में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- **धर्म:**
  - वे **प्रकृति पूजक** हैं और उन्हें अपने गाँवों में जाहेर (पवित्र उपवन) में श्रद्धा अर्पित करते देखा जा सकता है।
- **व्यवसाय:**
  - अधिकांश संथाल **कृषक** हैं, जो अपने खेतों या वनों पर निर्भर हैं।
  - **मौसमी वन संग्रह** उनकी सहायक आय के महत्त्वपूर्ण स्रोतों में से एक है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/169-th-anniversary-of-santhal-rebellion